इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम

हिंदी पखवाड़ा समारोह

14-29 सितंबर, 2022

संक्षिप्त रिपोर्ट

इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र
हिंदी पखवाड़ा समारोह
14-29 सितंबर, 2022

राजभाषा कार्यान्वयन समिति, इंगांपअकें द्वारा केंद्र में दिनांक 14.09.2022 से 29.09.2022 तक हिंदी पखवाड़ा-2022 का आयोजन किया गया। गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निदेशानुसार दिनांक 14.09.2022 को हिंदी दिवस कार्यक्रम सूरत, गुजरात में आयोजित द्वितीय राजभाषा सम्मेंलन के दौरान संयुक्त रूप से किया गया।

हिंदी पखवाड़ा का मुख्य कार्यक्रम -

केंद्र में दिनांक 26.09.2022 को हिंदी पखवाड़ा का मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यनक्षता डॉ. बी. वेंकटरामन, निदेशक, इंगापअकें ने की। कार्यक्रम के आरंभ में श्री प्रभात कुमार शर्मा, उप निदेशक (राजभाषा) ने सभी का स्वा‍गत किया तथा वर्ष भर के दौरान राजभाषा के क्षेत्र में किए गए कार्यों एवं अर्जित उपलब्धियों से अवगत कराते हुए हिंदी पखवाड़ा-2022 की प्रतियोगिताओं के बारे में भी सभी को परिचय कराया।

तत्पाश्चांत श्री नरेंद्र कुमार कुशवाहा, वैज्ञानिक अधिकारी/जी ने सचिव, परमाणु ऊर्जा आयोग एवं अध्यचक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग का संदेश वाचन किया तथा डॉ. अवधेश मणि, वैज्ञानिक अधिकारी/एच ने माननीय गृह मंत्री, भारत सरकार का संदेश पढ़ कर सुनाया।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में श्री के. आर. सेतुरामन, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी ने अपने संबोधन में केंद्र के सभी कार्मिकों से अपील की कि वे राजभाषा नीति के सफल क्रियान्वधयन हेतु सक्रिय प्रयास करें। उन्होंने केंद्र में हिंदी के विकास के लिए लोगों से अपील करते हुए कहा कि केंद्र में राजभाषा को बढ़ाने के लिए आपके सुझाव के सादर आमंत्रित हैं, जो केंद्र में राजभाषा को बढ़ने में सहायक सिद्ध साबित हो सकते हैं।

इसके पश्चात् डॉ. बी. के. नशीने, अध्यनक्ष, ईएसजी एवं सह अध्यअक्ष, राभाकास ने अपने संबोधन में स्वतंत्रता संग्राम में हिंदी के महत्व को बताते हुए कहा कि आज़ादी के अमृत महोत्सव में अपना योगदान देते हुए हमें अपना अधिक से अधिक कार्य हिंदी में करना चाहिए। साथ ही उन्होंने हिंदी के उत्तकरोत्तर अभिवृद्धि के लिए सुझाव प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि हमें प्रयास करना

चाहिए कि जो कार्यालयीन काम हम कर रहे हैं उसे हिंदी में भी करें। आपके द्वारा किए जा रहे अनुसंधान संबंधी आलेखों को हिंदी में भी लिखें जिससे यह जन-जन तक पहुँच सके। केंद्र के निदेशक डॉ. बी. वेंकटरामन, निदेशक ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में सभी को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दीं तथा यह रेखांकित किया कि हमें देश में मुख्य संपर्क भाषा और केंद्र सरकार के कार्यालयों में कामकाज की भाषा के रूप में हिंदी को बढ़ावा देना है और साथ ही, हमारी अपनी क्षेत्रीय भाषाओं के विकास पर ध्यान देने की काफी आवश्यकता है। हिन्दी के उपयोग के संबंध में सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करना हमारा दायित्व है। इसके लिए सभी से योगदान की जरूरत है। उन्होंने हिंदी प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं भी दीं। कार्यक्रम के अंत में श्री प्रभात कुमार शर्मा, उप निदेशक (राजभाषा) ने सभी का आभार व्यक्त किया। तदोपरांत निदेशक महोदय ने हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

हिंदी दिवस एवं हिंदी पखवाड़ा का उद्घाटन समारोह राष्ट्रगान से संपन्न हुआ। जलपान के बाद, हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम की अगली कड़ी में हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें 100 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

इस वर्ष हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत कुल 10 हिंदी प्रतियोगिताएं शामिल की गई की गईं जो निम्नानुसार हैं-

दिनांक	प्रतियोगिता का नाम
19-9-2022	हिंदी सुलेख-सह-वाचन
20-9-2022	हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन
21-9-2022	हिंदी टंकण(कंप्यूटर)
22-9-2022	हिंदी वाद-विवाद
23-9-2022	हिंदी सार लेखन
26-9-2022	हिन्दी प्रश्नोत्तरी
27-9-2022	हिंदी कविता पाठ
28-9-2022	एकल गीत गायन (हिंदी गीत)
29-9-2022	हिंदी आशु भाषण
29-9-2022	हिंदी पुस्तक समीक्षा

हिंदी दिवस समारोह एवं हिंदी प्रतियोगिताओं के संचालन एवं विजेताओं के चयन में रा.भा.का.स. के सदस्यों एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने विशेष एवं सराहनीय योगदान प्रदान किया।

हिंदी पखवाड़ा समारोह-2022

केंद्र में इस वर्ष भी हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन अत्यंत सफल रहा, जो कि उपरोक्त आंकड़ों से परिलक्षित हो रहा है। दिनांक 20-04-2023 को पुरस्कार वितरण समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किया गया और साथ ही प्रतियोगिताओं भाग लेने वाले सभी अन्य कर्मचारियों को भी प्रोत्साहन पुरस्कार देकर उनको प्रोत्साहित किया गया।

(हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम की कुछ झलकियां)

(हिंदी पखवाड़ा पुरस्कार वितरण कार्यक्रम की कुछ झलकियां)